• *क्या करें...*

आशीर्वाद में मिले नारियल

सनातन धर्म में देवी-देवताओं को नारियल चढ़ाने की परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। पूजा-पाठ में नारियल का विशेष महत्व होता है। बिना नारियल के कोई भी पूजा-पाठ और अनुष्ठान पूरा नहीं माना जाता है। चाहें फिर वो सत्यनारायण कथा हो या कोई विशेष हवन या अनुष्ठान, नारियल का उपयोग अवश्य होता है. देवी देवताओं के अनुष्ठान हो या प्रसाद के लिए नारियल का इस्तेमाल सभी तरह के पूजा में जरूर किया जाता है।

हिंदू कथाओं के अनुसार, नारियल को श्रीफल भी माना जाता है, तभी इसे माता लक्ष्मी का स्वरूप भी माना गया है। हिंदू धर्म में पूजा होने के बाद अक्सर पंडित जी आशीर्वाद के साथ यजमान और दूसरे लोगों को नारियल देते हैं। बहुत से लोगों को यह नहीं पता होता है कि पूजा के बाद आशीर्वाद में मिले इस नारियल का क्या करना है। आशीर्वाद में मिले इस नारियल को फोड़कर खाना है या कहीं पर संभालकर रखना है।

▶ **भगवान को करें अर्पित**-आशीर्वाद में मिले नारियल को कहीं भी रखने या टांगने के अलावा आप उस नारियल को

भगवान को समर्पित कर प्रसाद की तरह बांट सकते हैं। इससे नारियल का अपमान भी नहीं होगा और सभी को प्रसाद भी बंट जाएगा। बता दें कि लोग जाने अनजाने में नारियल (नारियल का महत्व) को किसी को भी दे देते हैं। आशीर्वाद में मिला हुआ नारियल आपको आशीष के रूप में दिया जाता है, ऐसे में आप अपना आशीर्वाद किसी और को देकर नारियल और आशीर्वाद देने वाले का अपमान कर सकते हैं, इसलिए भूल से भी आशार्वाद में मिले नारियल को किसी अन्य को न दें।

▶ **आशीर्वाद में मिले नारियल का क्या करें**-आशीर्वाद में लोगों को नारियल दिया जाता है और साथ ही यजमान को आचार्य एवं देवी-देवताओं की ओर से मंत्रों के साथ आशीर्वाद दिया जाता है। यह नारियल बहुत महत्वपूर्ण होता है, इसे आप लाल या पीले रंग के कपड़े में बांध कर अपने लॉकर में संभालकर रख सकते हैं या फिर आशीर्वाद में मिले नारियल को यदि आप लॉकर में नहीं रख रहे हैं, तो उसे लाल रंग के कपड़े में बांधकर घर के मुख्य द्वार पर टांग लें। इससे आपके घर में देवी देवताओं की कृपा बनी रहेगी।

• *कैसे मिले मुक्ति...*

शनि दोष

नवग्रहों में अपना स्थान रखने वाले शनिदेव को न्याय का देवता कहा गया है। वे इंसान को उसके कर्मों के अनुसार फल देते हैं। ज्योतिष शास्त्र में इनको न्यायाधीश का स्थान मिला हुआ है। लेकिन कुंडली में शनि अशुभ स्थान पर बैठे हों तो शनि दोष उत्पन्न होता है,जिसके कारण कारण व्यक्ति के जीवन में कई समस्याएं आने लगती हैं। शनि दोष होने पर कई लक्षण दिखने लगते हैं, उन संकेतों को जानकर आप शनि दोष का निवारण कर सकते हैं।

▶▶ यदि कुंडली में शनि दोष हो तो व्यक्ति का धन और संपत्ति धीरे-धीरे अनावश्यक कार्यों में खर्च होने लगती है।

▶▶ शनि दोष के कारण वाद-विवाद की स्थिति बनती है और व्यक्ति पर झूठे आरोप लगते हैं। इसके अलावा कोर्ट केस भी बनते हैं।

▶▶ शराब, जुआ और अन्य बुरी आदतें भी शनि दोष का कारण बनती हैं।

▶▶ बनते काम में रुकावट आना, कर्ज का बोझ होना, घर में आग लग जाना, घर का बिक जाना या उसका कोई हिस्सा टूट जाना आदि भी शनि दोष के लक्षण माने जाते हैं।

▶▶ यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में शनि दोष हो तो व्यक्ति के बाल समय से पहले झड़ने लगते हैं, आंखें खराब होने लगती हैं और कानों में दर्द रहता है।

▶▶ खराब शनि के कारण शारीरिक कमजोरी, पेट दर्द, टीबी, कैंसर, त्वचा रोग, फ्रैक्चर, लकवा, सर्दी, अस्थमा आदि रोग होते हैं।

▶▶ अगर किसी का शनि खराब है तो उसे अपनी मेहनत का फल नहीं मिलता है। नौकरी में परेशानियां और घर में छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होते रहते हैं।

▶▶ शनि साढ़ेसाती, ढैय्या जैसे शनि दोष से छुटकारा पाने के लिए शनिवार के दिन काले तिल, काला कपड़ा, काली उड़द दाल, तेल, जूता-चप्पल, गुड़ और काले रंग के का दान करें। किसी गरीब जरूरतमंद को इन चीजों का दान करने से शनि दोष ठीक होता है।

▶▶ शनि दोष से छुटकारा पाने के लिए हर दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें। इसके अलावा शनिवार के दिन शनि देव के बजरंबली की पूजा भी जरूर करें।

▶▶ शनिवार के दिन सूर्योदय से पहले पीपल के पेड़ की पूजा करें। पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाने के बाद तेल का दीया जलाएं। ऐसा करने से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है, जिससे सभी दोष से मुक्ति मिलती है।

▶▶ साढ़ेसाती का प्रभाव कम करने लिए शनिवार के दिन शनि देव के मंत्रों का जरूर करें। साथ ही शनि चालीसा का पाठ करने से भी ढैय्या, साढ़ेसाती का प्रभाव कम होता है।

शादी के बाद क्यों पहनती हैं मंगलसूत्र

शास्त्रों के अनुसार, शादी के बाद भगवान शिव और पार्वती सुहाग की रक्षा करते हैं। मंगलसूत्र कई जगहों पर पीले धागे से बनता है। मंगलसूत्र में पीले रंग का होना भी जरूरी है।

पीले धागे में काले रंग के मोती पिरोए जाते हैं। कहा जाता है कि काला रंग शनि देवता का प्रतीक होता है। ऐसे में काले मोती महिलाओं और उनके सुहाग को बुरी नजर से बचाते हैं। पीला रंग बृहस्पति ग्रह का प्रतीक होता है...

हिन्दू धर्म में शादी के बाद महिलाएं मंगलसूत्र पहनती हैं। हिन्दू धर्म में शादी के बाद मंगलसूत्र पहनना शादीशुदी होने का प्रतीक भी माना जाता है। दुल्हन को मंगलसूत्र पहनाना शादी की प्रमुख रस्मों में से एक है। धर्म शास्त्रों के अनुसार, मंगलसूत्र को एक महिला के लिए सुहाग की निशानी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद मंगलसूत्र पहनने से पति की आयु लंबी बनी रहती है। शादी के बाद पति-पत्नी के रिश्तों को जोड़कर रखने वाला धागा ही मंगलसूत्र होता है, इसलिए हिंदू धर्म में मंगलसूत्र पहनना बेहद ही शुभ माना जाता है हिंदू धर्म में मान्यता है कि शादी के बाद पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएं सोलह शृंगार करती हैं। इसमें मंगलसूत्र का सबसे ज्यादा महत्व रखता है। मंगलसूत्र महिलाएं के सुहाग को बुरी नजर से बचाता है। मंगलसूत्र का खोना, टूटना अपशगुन माना जाता है। मंगलसूत्र सदा सुहागन होने की निशानी है और दुल्हन का ये मुख्य आभूषण भी होता है। प्राचीन समय से ही मंगलसूत्र की बड़ी महिमा बताई गई है।

● **मंगलसूत्र का धार्मिक मान्यता**-शास्त्रों के अनुसार, शादी के बाद भगवान शिव और पार्वती सुहाग की रक्षा करते हैं। मंगलसूत्र कई जगहों पर पीले धागे से बनता है। मंगलसूत्र में पीले रंग का होना भी जरूरी है। पीले धागे में काले रंग के मोती पिरोए जाते हैं। कहा जाता है कि काला रंग शनि देवता का प्रतीक होता है। ऐसे में काले मोती महिलाओं और उनके सुहाग को बुरी नजर से बचाते हैं। पीला रंग बृहस्पति ग्रह का प्रतीक होता है जो शादी को सफल बनाने में मदद करता है। मंगलसूत्र का पीला भाग पार्वती माता और काला भाग भगवान शिव का प्रतीक होता है।

● हिन्दू परंपराओं के अनुसार, एक मंगलसूत्र में 9 मनके होते हैं, जो ऊर्जा के 9 विभिन्न रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये ऊर्जाएं पत्नी और पति को किसी भी बुरी नजर से बचाती हैं। इन मोतियों को सभी तत्वों वायु, जल, पृथ्वी और अग्नि की शक्ति के लिए भी जाना जाता है। ये 4 तत्व स्त्री और पुरुष के बीच के रिश्ते को मजबूत बनाए रखने में मदद करते हैं।

● **मंगल दोष से मिलता है छुटकारा**-शादी में दुल्हन को मंगलसूत्र पहनाने से कुंडली में मंगल दोष का बुरा असर नहीं पड़ता है। मंगलसूत्र अक्सर सोने का ही पहनाया जाता हैज्योतिष में सोने का संबंध गुरु ग्रह से होता है। गुरु वैवाहिक जीवन में खुशहाली का कारक माना जाता है। साथ ही मंगलसूत्र में जड़े काले मोतियों का संबंध शनि देव से माना गया है। शनि स्थायित्व का प्रतीक है। इसलिए मंगलसूत्र पहनने से शनि और गुरु ग्रह का शुभ प्रभाव वैवाहिक जीवन पर पड़ता है और जीवन में खुशहाली बनी रहती है।

■ **पं. कुलदीप शास्त्री**

चीनी के उपाय...

अगर आपको नौकरी या व्यापार में नुकसान का सामना करना पड़ रहा है तो परेशान न हो। क्योंकि रसोईघर में रखा चीनी का डिब्बा आपकी किस्मत

बदल सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक तांबे का गिलास लें और उसमें चीनी डालकर रातभर छोड़ दें। फिर अगले दिन इस चीनी को घोलकर पीएं, जिसके बाद आपको कुछ ही दिनों में बदलाव नजर आएगा। कई बार बहुत मेहनत करने के बाद किस्मत साथ नहीं देती। ऐसे में चीनी का यह उपाय बेहद ही कारगार साबित हो सकता है। यदि आप किसी शुभ काम के लिए जा रहे हैं तो एक दिन पहले रात को एक तांबे के गिलास में चीनी व पानी घोलकर रख दें। फिर अगले दिन कार्य के लिए निकलने के पहले वह पानी पिएं। इस टोटके को करने से आपका भाग्य बदल जाएगा और लाभ ही लाभ मिलेगा.अक्सर पितृ दोष की वजह से भी व्यक्ति को जीवन में समस्याओं व असफलताओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए पितरों व पूर्वजों को आशीर्वाद साथ होना बेहद जरूरी है। पितृ दोष को दूर करने के लिए आटे से बनी रोटी में चीनी मिलाकर कौवों को खिलाएं। इससे पितृ दोष समाप्त होगा और सभी समस्याएं नष्ट होंगी।

• *उपाय...*

गुरुवार को करें ये काम

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गुरुवार के दिन भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए उनका विधि-विधान से पूजन करें और फिर कुश के आसन पर बैठकर विष्णु चालीसा का पाठ करें। इस पाठ को बहुत ही पावरफुल माना जाता है, इससे व्यक्ति के सभी कष्ट मिट जाते हैं। इसके अलावा भगवान विष्णु को पीले रंग के फूल अर्पित करने चाहिए।

गुरुवार के दिन विष्णु जी को दूध व केसर की खीर बनाकर उसका भोग लगाना चाहिए। फिर इस भोग को प्रसाद के तौर पर परिवार के सदस्यों में बांटें। गुरुवार के दिन भगवान विष्णु को अष्टदल कमल अर्पित करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से विष्णु जी विशेष कृपा बरसाते हैं।

• *काले रंग का प्रभाव...*

हिंदू धर्म में काले रंग को अशुभ माना जाता है। काला रंग नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है और कहते हैं कि अगर किसी अच्छे काम में काला रंग पहना जाए तो सोच नकारात्मक होने लगती है। जिसकी वजह से कई बार सही फैसले भी गलत लगने लगते हैं। काले रंग से निकलने वाली एनर्जी दिमाग में बुरे विचार लेकर आती है। इसलिए शुभ कार्य में काले रंग के कपड़े पहनना अशुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार व्यक्ति के जीवन पर काले रंग का बुरा प्रभाव पड़ता है।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/संपादकः अनल पत्रवाल द्वारा गांव व डाकघर-रजियाणा, तहसील-नगरोटा बगवां, जिला-कांगड़ा-176056, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सेक्टर-6, नोएडा-201301, गौत्तम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित